



Literacy for a Billion

Movie: Dil Chahta Hai

Year: 2001

कैसी है ये रुत कि जिसमें
फूल बनके दिल खिलें

कैसी है ये रुत कि जिसमें
फूल बनके दिल खिलें

घुल रहे हैं रँग सारे
घुल रही हैं खुशबुएँ

चाँदनी झरने घटाएँ
गीत बारिश तितलियाँ
हमपे हो गए हैं सब मेहबाँ

कैसी है ये रुत कि जिसमें
फूल बनके दिल खिलें

देखो नदी के किनारे
पंछी पुकारे किसी पंछी को
देखो ये जो नदी है
मिलने चली है सागर ही को
ये प्यार का ही सारा है कारवाँ

कैसी है ये रुत कि जिसमें

Song: Kaisi Hai Ye Rut Ki Jisme

Lyricist: Javed Akhtar

फूल बनके दिल खिलें

ओ ... कैसे किसीको बताएँ
कैसे ये समझाएँ

क्या प्यार है

इसमें बंधन नहीं है

और ना कोई भी दीवार है

सुनो प्यार की निराली है दास्ताँ

कैसी है ये रुत कि जिसमें
फूल बनके दिल खिलें

घुल रहे हैं रँग सारे
घुल रही हैं खुशबुएँ

चाँदनी झरने घटाएँ
गीत बारिश तितलियाँ
हमपे हो गए हैं सब मेहबाँ

कैसी है ये रुत कि जिसमें
फूल बनके दिल खिलें

हे ... हूँ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitled Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.